



Haryana Government Gazette

Published by Authority

© Govt. of Haryana

No. 33-2018] CHANDIGARH, TUESDAY, AUGUST 14, 2018 (SRAVANA 23, 1940 SAKA)

General Review

कृषि एवं किसान कल्याण विभाग, हरियाणा की वार्षिक प्रशासनिक रिपोर्ट वर्ष 2016–2017 की समीक्षा।

दिनांक 4 जुलाई, 2018

पृ० क्रमांक 1783—कृषि—II(1)—2018/10461.—

राज्य सरकार की सहायता से कृषि तथा किसान कल्याण विभाग के भरसक प्रयासों तथा परिश्रमी किसानों की उचित धारणा के फलस्वरूप राज्य के कृषि उत्पादन में वृद्धि हुई है। राज्य बनने के समय हरियाणा खाद्यान्न उत्पादन की दृष्टि से एक पिछड़ा हुआ प्रदेश था, जो अब अपनी आवश्यकता से अधिक उत्पादन करने वाला राज्य बन गया है। वर्ष 2015–16 के अंतर्गत केन्द्रीय भण्डारण में 121.02 लाख टन से अधिक खाद्यान्नों का योगदान दिया है। यद्यपि इस राज्य का भौगोलिक क्षेत्र देश के कुल क्षेत्र का 1.4 प्रतिशत के लगभग है, फिर भी देश के कुल खाद्यान्न का अनुमानित 6.5 प्रतिशत (2016–17) भाग इस राज्य में पैदा होता है। वर्ष 2015–16 व 2016–17 के दौरान क्रमशः 163.33 लाख टन व 180.00 लाख टन खाद्यान्न उत्पादन हुआ। इस प्रकार समीक्षाधीन वर्ष में पिछले वर्ष की तुलना में 16.67 लाख टन अधिक खाद्यान्न उत्पादन हुआ। कृषि अवस्था को मापने हेतु भूमि का उचित एवं लाभकारी उपयोग एक सही पैमाना है। फसलों की सघनता तथा कुल सिंचित क्षेत्र में वृद्धि करने पर अधिक जोर दिया गया है, जो क्रमशः 193.08 प्रतिशत व 57.63 लाख हैक्टेयर तक पहुंच गया है।

वर्ष 2015 के 17.99 लाख हैक्टेयर क्षेत्र की तुलना में वर्ष 2016 में 19.74 लाख हैक्टेयर क्षेत्र में भिन्न-भिन्न खरीफ फसलों की बिजाई हुई। रबी 2016–2017 के दौरान गेहूं, चना, जौ तथा तिलहनों के अधीन क्रमशः 25.58 लाख हैक्टेयर, 0.37 लाख हैक्टेयर, 0.20 लाख हैक्टेयर, 5.10 लाख हैक्टेयर क्षेत्र रहा जबकि यह वर्ष 2015–16 में उपरोक्त फसलों के अन्तर्गत क्रमशः 25.76 लाख हैक्टेयर, 0.42 लाख हैक्टेयर, 0.29 लाख हैक्टेयर, 5.12 लाख हैक्टेयर क्षेत्र लाया गया था। गेहूं का उत्पादन वर्ष 2015–16 के 113.52 लाख टन की तुलना में बढ़कर 123.84 लाख टन हो गया।

चण्डीगढ़:

दिनांक 22 जून, 2018.

डा० अभिलक्ष लिखी,
प्रधान सचिव, हरियाणा सरकार,
कृषि एवं किसान कल्याण विभाग।

Review of the Annual Administrative Report of the Department of Agriculture and Farmers Welfare, Haryana for the Year 2016-2017

The 4th July, 2018

Endst. No. 1783-Agri.II(1)-2018/10461.—

Sustained efforts of the Department of Agriculture and Farmers Welfare backed with support of the State Government and dynamism of the hard working peasantry have increased the Agriculture production in the State. The State which on its creation was in deficit with respect to its food grains has been progressively transformed into a surplus State. The State has contributed more than 121.02 lakh tonne food grains to the Central pool during 2016-17. Although the geographical area forms about 1.4% of the total geographical area of the country yet the food grain production of the State accounts for 6.5 % of the total production in the country during 2016-17. The food grain production achieved during 2015-16 and 2016-17 was 163.33 lakh tonne and 180.00 lakh tonne respectively. Thus there was increase by 16.67 lakh tonne in food grain production as compared to the preceding year. Efficient land use is a good index for measuring the status of agriculture. Major stress has been laid on increasing cropping intensity and gross irrigated area which have been 193.8 % and 57.63 lakh hectares respectively.

The average yield of various Kharif crops have mix trend of Increase or decrease. As against the area of 17.99 lakh hectares covered during Kharif 2015, an area of 19.74 lakh hectares was covered under different Kharif crops in 2016. The coverage of area under wheat, gram, barley and oilseeds remained 25.58 lakh hectares, 0.37 lakh hectares, 0.20 lakh hectares and 5.10 lakh hectares during 2016-17 as compared to 25.76 lakh hectares, 0.42 lakh hectares, 0.29 lakh ha and 5.12 lakh hectares respectively covered during Rabi 2015-16. The production of wheat remained 123.84 lakh tonnes during the season as compared to production of 113.52 lakh tonnes during Rabi 2015-16.

Chandigarh:
The 22nd June, 2018.

DR. ABHILAKSH LIKHI,
Principal Secretary to Government Haryana,
Agriculture and Farmers Welfare Department.